● पढ़ो, समझो और चर्चा करो:

९. अस्तित्व अपना-अपना

प्रस्तुत कहानी में यह दर्शाया है कि प्रत्येक के अस्तित्व की महत्ता होती है । अत: अपनी तुलना दूसरों से करने की अपेक्षा अपनी योग्यता पर विश्वास रखें ।

58EQ9R

* चित्र के आधार पर वाक्य बनाओ :

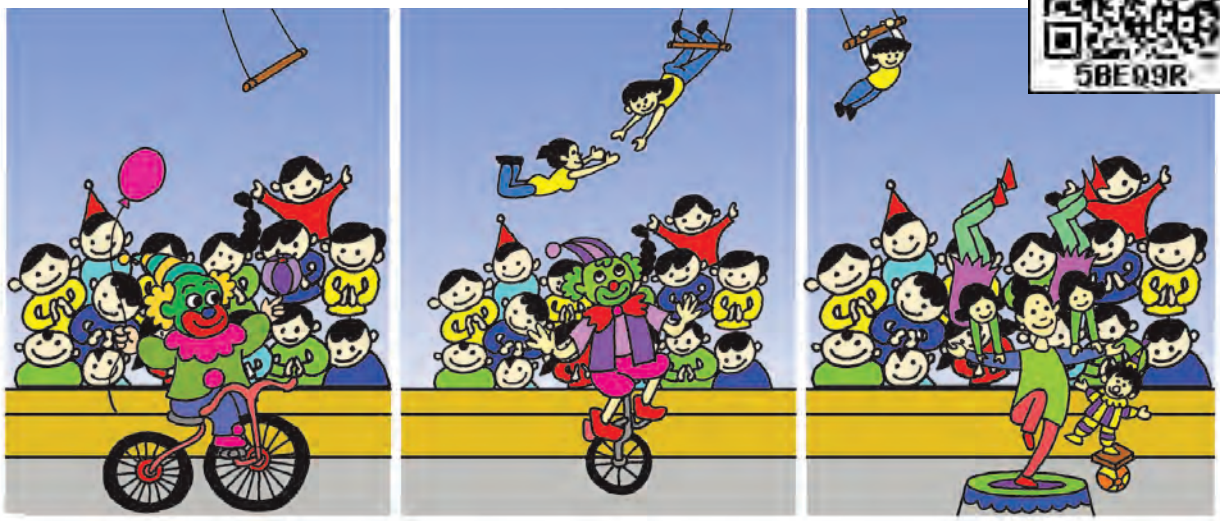

अपनी चोंच को देखकर आज सुबह से ही पट्टू तोता बड़ा उदास बैठा था । उदासी का कारण पूछने पर पट्टू तोते ने माँ से अपनी अटपटी चोंच के बारे में बताया ।

माँ कुछ देर के लिए शांति से बैठ गईं, उन्हें भी लगा कि शायद पट्टू सही कह रहा है । पट्टू को समझाएँ तो कैसे? तभी उन्हें सूझा कि क्यों न पट्टू को ज्ञानी काका के पास भेजा जाए जो पूरे जंगल में सबसे समझदार तोते के रूप में जाने जाते हैं । माँ ने तुरंत ही पट्टू को ज्ञानी काका के पास भेज दिया ।

ज्ञानी काका जंगल के बीचोंबीच एक बहुत पुराने पेड़ की शाखा पर रहते थे । वहाँ पहुँचकर पट्टू तोते ने देखा कि सारे पेड़-पौधे मुरझाए हुए हैं । पट्टू बहुत चिंतित हुआ । उसने इसकी वजह जानने के लिए सभी पेड़-पौधों से पूछा । ओक वृक्ष ने कहा, ''मैं परेशान हूँ क्योंकि मैं देवदार जितना लंबा नहीं हूँ ।'' पट्टू ने देवदार

❑ विद्यार्थियों से चित्रों के आधार पर प्रश्न पूछें । रचना के आधार पर वाक्य बनाने की प्रक्रिया और वाक्यों के प्रकार (सरल, संयुक्त, मिश्रवाक्य) उदाहरण सहित समझाएँ । कहानी से इस प्रकार के वाक्य ढूँढ़कर लिखवाएँ तथा दृढ़ीकरण होने तक अभ्यास कराएँ ।

सदैव ध्यान में रखो

हर-एक को अपने कार्य स्वयं करने चाहिए ।

की ओर देखा तो उसके कंधे भी झुके हुए थे । पूछने पर उसने कहा, ''मैं अंगूर लता की भाँति फल नहीं दे सकता हूँ ।'' अंगूर लता इसलिए चिंतित थी कि वह गुलाब की तरह खिल नहीं सकती है ।

यह सब देखकर पट्टू तोता परेशान हुआ और ज्ञानी काका के समक्ष जाकर बैठ गया । अपनी परेशानी व्यक्त करते हुए बोला,''काका, मेरी भी एक समस्या है।'' ''प्यारे बच्चे, तुम्हें क्या दिक्कत है, बताओ

मुझे,'' काका बोले । पट्टू बताने लगा, ''मुझे मेरी चोंच पसंद नहीं है, यह कितनी अटपटी-सी लगती है । बिलकुल भी अच्छी नहीं लगती । मेरे दोस्त बिरजू बाज, कालू कौआ, कल्कि कोयल सभी की चोंच कितनी सुंदर है !'' काका बोले, ''सो तो है, उनकी चोंचें तो अच्छी हैं । तुम यह बताओ कि क्या तुम्हें खाने में केंचुएँ और कीड़े-मकौड़े पसंद हैं?'' ''छी ! ऐसी बेकार चीजें तो मैं कभी न खाऊँ,'' पट्टू ने झट से जवाब दिया । ''अच्छा छोड़ो, क्या तुम्हें मछलियाँ खिलाईं जाएँ?'' काका ने पूछा ''या फिर तुम्हें खरगोश और चूहे परोसे जाएँ ?''

''काका, कैसी बातें कर रहे हैं आप? मैं एक तोता हूँ । मैं ये सब खाने के लिए नहीं बना हूँ,'' पट्टू नाराज होते हुए बोला ।

''बिलकुल सही'' काका बोले, ''यही तो मैं तुम्हें समझाना चाहता हूँ । ईश्वर ने तुम्हें कुछ अलग तरीके से बनाया है । जो तुम पसंद करते हो, वह तुम्हारे दोस्तों को पसंद नहीं आएगा और जो तुम्हारे दोस्त पसंद करते हैं वह तुम्हें नहीं भाएगा । सोचो, अगर तुम्हारी चोंच जैसी है वैसी नहीं होती तो क्या तुम अपने सबसे प्रिय ब्राजीलियन अखरोट खा पाते? अपना जीवन यह सोचने में मत लगाओ कि दूसरों के पास क्या है-क्या नहीं । बस ये जानो कि तुम जिन गुणों के साथ पैदा हुए हो उसका सर्वश्रेष्ठ उपयोग कैसे किया जा सकता है ? उसे अधिक-से-अधिक कैसे विकसित किया जा सकता है ?''

कुछ देर बाद ज्ञानी काका पट्टू तोते को लेकर

एक पेड़ के पास गए जो निश्चिंत था, खिला हुआ था और ताजगी से नहाया हुआ था । पट्टू ने विस्मित होकर उससे पूछा ''बड़ी अजीब बात है । मैंने पूरे बाग में घूम

❑ कहानी का आदर्श वाचन करें । इस कहानी को संवाद रूप में प्रस्तुत करने के लिए कहें । कहानी के पात्रों के संदर्भ में चर्चा करें । विद्यार्थियों को कहानी का कौन-सा पात्र अच्छा लगता है और क्यों, पूछें । कहानी से कौन-सी सीख मिली उनके शब्दों में कहलवाएँ ।

कर देखा कि एक से बढ़कर एक ताकतवर और बड़े पेड़ दुखी हैं लेकिन तुम इतने प्रसन्न नजर आ रहे हो, यह कैसे संभव हुआ ?''

पेड़ मुस्कुराते हुए बोला, ''मित्र, बाकी पेड़ अपनी विशेषता देखने की बजाय स्वयं की दूसरों से तुलना कर दुखी हैं। मैं यह मानता हूँ कि मुझे यहाँ इस बाग में रोपित कराया गया तब यही अपेक्षित होगा कि मैं अपने गुणों से इस बगीचे को सुंदर बनाऊँ। मैं किसी और की तरह बनने की बजाय अपनी क्षमता के अनुसार श्रेष्ठतम बनने का प्रयास करता हूँ। हमेशा प्रसन्न रहता हूँ।'' अंत में ज्ञानी काका ने पट्टू तोते को प्रेम से समझाया, ''हम सभी में कुछ ऐसे गुण हैं, जो अन्य लोगों में नहीं है। जरूरत है तो सिर्फ उन्हें पहचानने की और उन गुणों को और विकसित कर अपने क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने की। यदि हम विश्वास कर लें कि हम सफल हो सकते हैं, तो इससे दूसरे भी हम पर विश्वास करने लगते हैं। इन्सान की सबसे बड़ी कमजोरी खुद को दूसरों से कम आँकने की होती है। हमें अपनी कमियाँ पता होना अच्छी बात है। इनसे हमें पता चलता है कि हमें किस क्षेत्र में सुधार करना है।''

हमेशा अपने गुणों, अपनी योग्यताओं पर ध्यान केंद्रित करें। यह जान लो तुम जितना अपने आपको जानते हो तुम उससे कहीं बेहतर हो। बड़ी सफलता उन्हीं लोगों का दरवाजा खटखटाती है जो लगातार खुद के सामने ऊँचे लक्ष्य रखते हैं। अपनी कार्यक्षमता सुधारना चाहते हैं।'' यह सुनकर पट्टू तोता आत्मविश्वास से झूम उठा और उसने गर्व से अपनी चोंच को देखा। तभी सुंदर हवा बहने लगी और उसने सभी को प्यार से सहलाया। सभी की आँखों में आत्मविश्वास की चमक दिखाई दी।

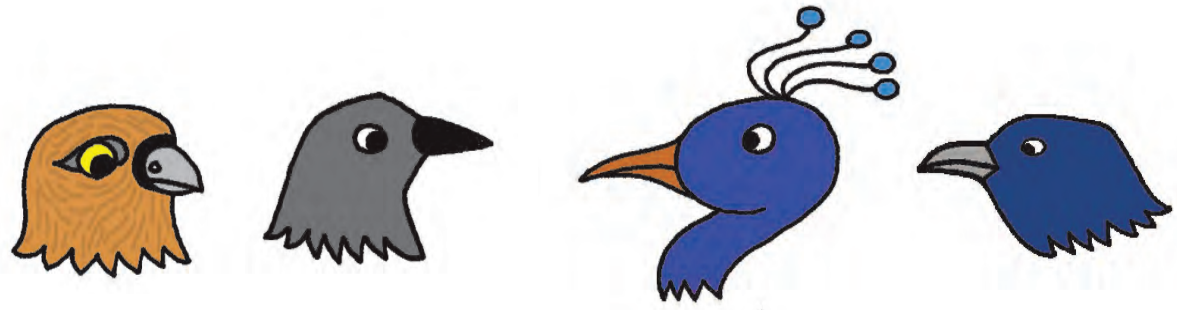

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

अटपटी = विचित्र

दिक्कत = कठिनाई, परेशानी

सहलाना = हाथ फेरना

स्वयं अध्ययन

औषधीय वनस्पतियों की जानकारी प्राप्त कर उनके उपयोग लिखो।

अध्ययन कौशल

'पर्यावरण बचाओ' संबंधी घोषवाक्य बनाओ और उसे चार्ट पर लिखकर प्रदर्शित करो।

खोजबीन

बया चिड़िया अपना घोंसला कैसे बनाती है, खोजो और चित्र कॉपी में बनाओ ।

सुनो तो जरा

किसी व्यंजन को बनाने की विधि सुनो और सुनाओ ।

बताओ तो सही

संतुलित आहार का महत्त्व बताओ ।

वाचन जगत से

प्रेमचंद की कोई एक कहानी पढ़ो और उसके प्रमुख मुद्दों पर मित्रों से चर्चा करो ।

मेरी कलम से

अपने किसी प्रिय व्यक्ति से संबंधित चार वाक्य लिखो ।

❊ सही पर्याय चुनकर वाक्य फिरसे लिखो ।

१. पट्टू तोते ने माँ से अपनी ..... चोंच के बारे में बताया ।
[रंगीन, टेढ़ी-मेढ़ी, अटपटी, छोटी]

२. यह सब देखकर पट्टू तोता बड़ा ..... हुआ ।
[आनंदित, खुश, चिंतित, परेशान]

३. अच्छा छोड़ो, क्या तुम्हें ..... खिलाईं जाएँ ?
[रोटियाँ, फलियाँ, मछलियाँ, मक्खियाँ]

४. हमें अपनी ..... पता होनी चाहिए ।
[विशेषताएँ, मान्यताएँ, कमियाँ, अच्छाइयाँ]

जरा सोचो तो ... बताओ

भारत की सभी नदियों को जोड़ दें तो .....

विचार मंथन

।। रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून ।।

भाषा की ओर

कोष्ठक में दिए गए सर्वनामों को बुलबुलों में लिखो, उसके आधार पर सर्वनाम के भेदों को दी गई रेखाओं पर लिखो ।
(मैं,तू, आप, यह, वह, सो, जो, कौन, क्या, कोई, कुछ, अपने-आप)